Q(9).(B) Answer

La-Mont Bioler:- इस बॉयलर मे एक भाप ड्रम होता है। इस ड्रम के अन्दर संभरण जल मितोपयोजक के माध्यम से आता है। भाप ड्रम संभरण जल को उच्चदाब पर जल नलियों मे परिसंचरित करता है। यह क्रिया अपकेन्द्री पम्प की सहायता से किया जाता है। परिसंचरित पम्प से जल वितरण हैडर से होते हुए ऑरिफिस के माध्यम से विभिन्न नलियों मे जाता है। इस प्रकार, जल तथा भाप का मिश्रण विभिन्न नलियों के माध्यम से ड्रम मे वापस आ जाता है और तब शुष्क भाप को ड्रम के ऊपर से अतितापक मे भेजा जाता है और यह अतितापक भाप को भाप टरबाइन मे ले जाता है। ये प्रथ गैस चिमनी मे प्रवेश से पूर्व वायु पूर्वतापक को ऊष्मा प्रदान करती है। ला-मॉण्ट बॉयलर उच्च-दाब बॉयलर होते है। इसमें 180 किग्रा / सेमी² दाब तथा 590°C तापमान पर 45 से 50 मीटरीटन घण्टा की दर से अतितप्त भाप उत्पादित हो जा सकती है।

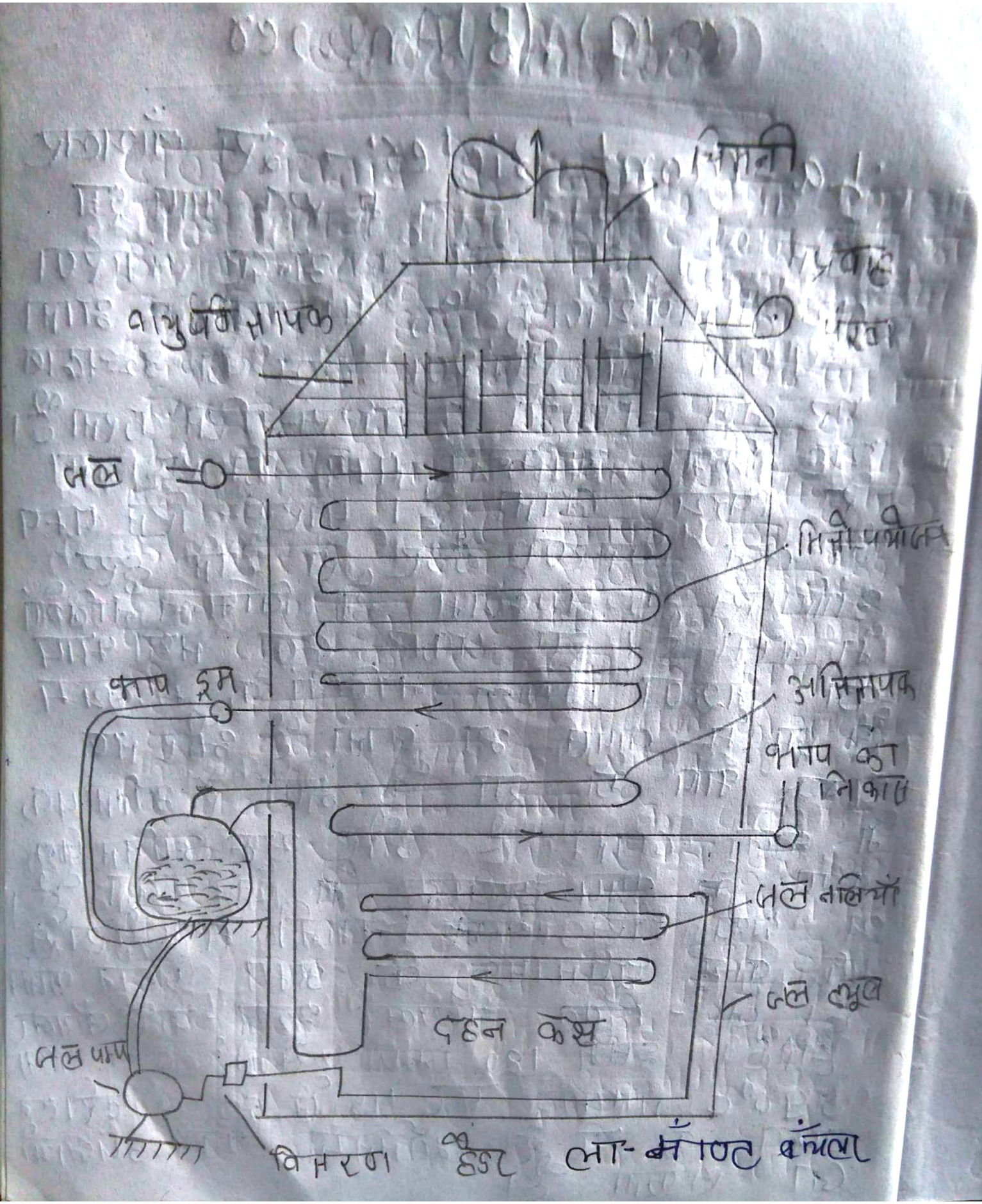

चिमनी
वायुपूर्वतापक
प्रवाह
मापक
जल
मितोपयोजक
भाप ड्रम
अतितापक
भाप का
निकास
जल नलियाँ
जल ट्यूब
दहन कक्ष
जल पम्प
विमरण
हैडर

ला-मॉण्ट बॉयलर